स्नातकोत्तर संस्कृत विभागः विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद (झारखण्ड)

Meeting of Board of Studies (Sanskrit) **Date 28-07-23**

Meeting of Board of Studies FYUGP(NEP) Under Graduate Syllabus as per guideline of B.B.M.K.U. Dhanbad

1. **Chairman**

   Dr. Gauri Kumari Munda

   Head University Deptt. of Sans B.B.M.K.U.

   28/07/23

2. **Internal Members**

   i. Dr. Sudhir Prasad Choubey

   University Deptt. of Sans B.B.M.K.U.

   28.07.23

   ii. Dr. Ajay Kumar

   University Deptt. of Sans B.B.M.K.U.

   28.7.23

   iii. Dr. Meena Kumari

   Deppt. of Sans.

   S.S.L.N.T. College, Dhanbad

   मीना कुमारी
   28/07/2023

   iv. Sri Jairam Jha

   Deppt. of Sans.

   Chass College, Chas

3. **External Members**

   i. Dr. Bharti Dwivedi

   PG Department of Sans.

   Ranchi University Ranchi

   ii. Dr. Himawati Binha

   Deppt. of Sans.

   J.N. College Dhurwa, Ranchi

SEMESTER WISE COURSES IN SANSKRIT MAJOR-1 FOR FYUGP 2022 ONWARDS

SEMESTER-I

1. MAJOR COURSE - MJ1 : संस्कृत साहित्य का इतिहास एवं संधि प्रकरण

SEMESTER-II

1. MAJOR COURSE - MJ2 : संस्कृत पद्य साहित्यों का विशिष्ट अध्ययन एवं व्याकरण
2. MAJOR COURSE – MJ3 : संस्कृत गद्य साहित्य एवं व्याकरण

SEMESTER-III

1. MAJOR COURSE – MJ4 : संस्कृत नाट्य साहित्य एवं व्याकरण
2. MAJOR COURSE – MJ5 : संस्कृत नीति साहित्य एवं समास प्रकरण

SEMESTER-IV

1. MAJOR COURSE – MJ6 : काव्य शास्त्र एवं छन्द शास्त्र
2. MAJOR COURSE – MJ7 : वैदिक साहित्य का इतिहास एवं वैदिक सूक्त
3. MAJOR COURSE – MJ8 : भारतीय नास्तिक दर्शन का सामान्य परिचय

COURSES OF STUDY FOR FYUGP IN 'SANSKRIT' MINOR

SEMESTER-I

MINOR COURSE-1A

1. MINOR COURSE – MN1A – नीति साहित्य

SEMESTER-III

MINOR COURSE-1B

1. MINOR COURSE – MN1B – संस्कृत साहित्य का इतिहास

SEMESTER-III

AEC : आयुर्वेद, पर्यावरण एवं योग

SEMESTER-I

1. Major Course – MJ I
   संस्कृत साहित्य का इतिहास एवं संधि प्रकरण

Marks : 25(5 Attd + 20SIE :- 1 Hr) + 75 (ESE :- 3 Hrs)=100 Pass Marks : th (SIE+ESE) = 40

C - 04

संस्कृत साहित्य का इतिहास एवं संधि प्रकरण

इकाई–1

- रामायण – सामान्य परिचय, काल निर्धारण, महत्व उपजीव्यता, रामायणकालीन समाज एवं संस्कृति।
- महाभारत – सामान्य परिचय, काल निर्धारण, महत्व उपजीव्यता, महाभारत का विकासक्रम एवं महाभारत का पौर्वापर्य।
- पुराण – पुराणों का परिचय, परिभाषा, लक्षण, महापुराण, उपपुराण, पौराणिक सृष्टि विज्ञान
- कतिपय पुराणों का सामान्य परिचय – श्रीमद्भागवत् अग्नि, विष्णु, गरूड़ एवं मत्स्य पुराण।
- महाकाव्यों का उद्भव एवं विकास एवं कुमारसम्भवम् नैषधीयचरितम्, सौन्दरानन्द्, बुद्धचरितम्, भट्टिकाव्यम् एवं जानकीहरणम् का सामान्य परिचय मात्र।

इकाई–2 : संधि प्रकरण
अच्, हल् एवं विसर्ग संधि (लघु सिद्धान्त कौमुदी के अनुसार)

अनुशंसित पुस्तकें –

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय शारदा निकेतन, वाराणसी।
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
3. लघु सिद्धान्त कौमुदी – श्री धरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी।
4. लघु सिद्धान्त कौमुदी – डॉ0 महेश सिंह कुशवाहा
5. लघु सिद्धान्त कौमुदी – डॉ0 गोपाल दत्त पाण्डेय

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

सभी प्रश्नों के उत्तर दें :–

प्रथम प्रश्न में पूरे पाठ्यक्रम से 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछ जाएंगे	15x1 = 15
द्वितीय प्रश्न में कुल चार टिप्पणी अपेक्षित है कुल छः टिप्पणियाँ पूछी जाएंगी।	5x4 = 20
तृतीय प्रश्न में इकाई–2 संधि प्रकरण से दो सूत्रों की सदोहारण व्याख्या अपेक्षित है कुल चार सूत्र पूछे जायेंगे।	2x10 = 20
चौथे प्रश्न में पूरे पाठ्यक्रम से आधारित एक आलोचनात्मक प्रश्न के उत्तर देने होंगे कुल तीन प्रश्न पूछे जायेंगे।	20x1= 20
	= 75

खण्ड–ख

आन्तरिक मूल्यांकन 20+05 = 25 अंक

SEMESTER-II

Major Course – MJ – 2

संस्कृत पद्य साहित्यों का विशिष्ट अध्ययन एवं व्याकरण

Marks : 25(5 Attd + 20SIE :- 1 Hr) + 75 (ESE :- 3 Hrs) = 100 Pass Marks : th (SIE + ESE) = 40

C-04

पद्य साहित्य एवं व्याकरण

इकाई सं0–1 पद्य साहित्य का उद्भव एवं विकास

- रघुवंशम् ..... सर्ग (1 से 20 श्लोक)
- किरातार्जुनीयम् ..... सर्ग (1 से 20 श्लोक)
- पूर्व मेघदूतम् ..... (1 से 20 श्लोक)
- शिशुपालवधम् ..... सर्ग (1 से 20 श्लोक)

इकाई सं0–2 संज्ञा प्रकरण

- व्याकरण शास्त्र का उद्भव व विकास – संक्षिप्त–परिचय
- माहेश्वर सूत्र एवं प्रत्याहारों का परिचय मात्र
- पारिभाषिक शब्द –
  प्रातिपादिक, सम्प्रसारण, संहिता, गुण, वृद्धि, नदी, धि, उपधा, अपृक्त, गति पद, विभाषा, सवर्ण, टि, प्रगृहय, सर्वनाम स्थान, निष्ठा, लोप।
- शब्द रूप – राम लता, नदी, गुरू, मधु, साधू सर्व, सखि
- धातु रूप – भू, अस, कृ, पठ्, पच्, सेव

अनुशंसित पुस्तकें

1. रघुवंश महाकाव्य, मोतीलाल बनारसीदास, श्रीधरानन्द मिश्र
2. रघुवंश महाकाव्य, चौखम्बा, संस्कृत संस्थान, हरगोविन्द शास्त्री
3. किरातार्जुनीयम् प्रथम सर्ग – पं0 वी0 एस0 मुसलगांवकर आगरा बिनोद पुस्तक मंदिर
4. किराताजुनीयम् प्रथम सर्ग – अखिलेश पाठक लखनऊ, प्रकाशन केन्द्र
5. शिशुपालबधम् – बद्रीनारायण मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन।
6. पूर्व मेघदूतम् – शेषराज रेग्मी चौखम्बा विद्या भवन।
7. वृहद् अनुवाद चन्द्रिका–चक्रधर "नौटियाल"।
8. व्याकरण शास्त्र का संक्षिप्त इतिहास – श्री रामाकांत मिश्र।

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यांश से 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे 15x1=15

दूसरे प्रश्न में इकाई–1 से एक संस्कृत अनुवाद और एक हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगी कुल चार पद्य दिये जाएंगे। 10x2 = 20

तीसरे प्रश्न में इकाई–2 व्याकरण से दो प्रश्न अपेक्षित होगी कुल चार प्रश्न पूछे जाएंगे। 10x2=20

चौथे प्रश्न में पूरे पाठ्यक्रम से एक आलोचनात्मक प्रश्न अपेक्षित होंगे कुल तीन प्रश्न पूछे जाएंगे। 1x20 = 20

Total = 75

खण्ड–ख

आन्तरिक मूल्यांकन 20 + 5 = 25

II. Major Course – MJ-3

संस्कृत गद्य साहित्य एवं व्याकरण

Marks : 25 (5 Attd + 20 SIE :- 1 Hr) + 75 (ESE :- 3 Hrs) = 100 Pass Marks : th (SIE + ESE) = 40

C-04

गद्य साहित्य एवं व्याकरण

इकाई–1 : गद्य साहित्य का उद्भव एवं विकास

इकाई–2 : कादम्बरी (शुकनासोपदेश)
दशकुमारचरितम् (अष्टम उच्छ्वास)
शिवराजविजयम् (प्रथम निःश्वास)

इकाई–3 शब्द रूप – अस्मद्, युष्मद् किम्, तत्
धातु रूप – अद्, दिव, सेव, लभ्।

अनुशंसित पुस्तकें :–

1. कादम्बरी (शुकनासोपदेश) – देवेन्द्र मिश्र, रामनारायण वेणी प्रसाद, इलाहाबाद।
2. कादम्बरी – (शुकनासोपदेश) – आचार्य रामनाथ शर्मा, सुमन साहित्य भण्डार, मेरठ।
3. शिवराज विजय – डॉ0 रमाशंकर मिश्र, चौखम्बा, सुर भारती, वाराणसी
4. दशकुमार चरित – विश्वनाथ झा
5. संस्कृत साहित्य का इतिहास – बलदेव उपाध्याय
6. अनुवाद चन्द्रिका – चक्रधर "नौटियाल"।
7. रचनानुवाद कौमुदी – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी।

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ (बहुवैकल्पिक) रिक्त स्थानों की पूर्ति से संबंधित 15 प्रश्न पूछे जाएंगे। 15x1 = 15

द्वितीय प्रश्न में इकाई –2 से दो गद्यांश की व्याख्या एक संस्कृत में तथा एक हिन्दी में करने होंगे कुल चार गद्यांश पूछे जायेंगे 10x2 = 20

तृतीय प्रश्न में इकाई–3 से दो विभक्तियों में शब्द रूप और 2 धातु रूप करने अपेक्षित होंगे जिनमें कुल 4 शब्द रूप और 4 धातु रूप पूछे जायेंगे – 5 x 4 = 20

चौथे प्रश्न में पूरे पाठ्यक्रम से 1 आलोचनात्मक प्रश्न करने होंगे कुल तीन प्रश्न पूछे जाएंगे। 1x20=20

75

खण्ड–ख

आन्तरिक मूल्यांकन – 20 + 05 = 25 अंक

SEMESTER-III

Major Course – MJ4

संस्कृत नाट्य साहित्य एवं व्याकरण

Marks : 25(5 Attd+20SIE: 1 Hr) + 75 (ESE: 3 Hrs) = 100 Pass Marks th (SIE + ESE) = 40

C-04

नाट्य साहित्य, कारक प्रकरण एवं कृत्य प्रक्रिया

इकाई : 1. नाट्य साहित्य का उद्भव एवं विकास

इकाई : 2. अभिज्ञान शाकुन्तलम् (चतुर्थ अंक)
उत्तर रामचरितम् (तृतीय अंक)
स्वप्नवासवदत्तम् (षष्ठ अंक)

इकाई : 3. कारक प्रकरण (लघु सिद्धान्त कौमुदी के अनुसार)
कृत्य प्रक्रिया (लघु सिद्धान्त कौमुदी के अनुसार)

अनुशंसित पुस्तकें :

1. अभिज्ञान शाकुन्तलम् – डॉ0 सुरेन्द्र शास्त्री, रामनारायण लालबेनी प्रसाद, इलाहाबाद
2. अभिज्ञान शाकुन्तलम् – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, रामनारायण लालबेनी प्रसाद, इलाहाबाद
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय
4. लघु सिद्धान्त कौमुदी – श्रीधरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी
5. उत्तररामचरितम् – कपिलदेव द्विवेदी
6. स्वप्नवासवदत्तम् – आचार्य शेषराजशर्मा 'रेग्मी'।

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

सभी प्रश्नों के उत्तर दें :–

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ या बहुवैकल्पिक रिक्त स्थानों की पूर्ति संबंधित 15 प्रश्न पूछे जायेंगे। 1x15 = 15

द्वितीय प्रश्न में इकाई–2 के पाठ्यांश से एक श्लोक की संस्कृत व्याख्या तथा एक श्लोक का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित है चार श्लोक पूछे जाएंगे। 2x10=20

तृतीय प्रश्न में इकाई–3 से दो कारक सूत्र और दो कृत्य प्रक्रिया सूत्रों की व्याख्या करना अपेक्षित होगा कुल 3 + 3 = 6 सूत्र पूछे जायेंगे। 4x5 = 20

चौथे प्रश्न में पूरे पाठ्यक्रम से एक आलोचनात्मक प्रश्न अपेक्षित होंगे कुल 3 प्रश्न पूछे जायेंगे। 1x20 = 20

खण्ड–ख

आन्तरिक मूल्यांकन – 20 + 5 = 25 अंक

II. Major Course – MJ-5

संस्कृत नीति साहित्य एवं समास–प्रकरण

Marks : 25(5 Attd+20SIE: 1 Hr) + 75 (ESE: 3 Hrs) = 100 Pass Marks th (SIE + ESE) = 40

C-40

नीति साहित्य एवं समास प्रकरण

इकाई–1 – नीति साहित्य का उद्भव एवं विकास
नीतिशतकम् (1 से 25 श्लोक)
हितोपदेश (मित्रलाभ)
पंचतन्त्र (अपरीक्षित कारकम्)

इकाई–2 समास प्रकरण – अव्ययीभाव तत्पुरूष, बहुब्रीहि एवं द्वन्द्व (लघु सिद्धान्त कौमुदी के अनुसार)

अनुशंसित पुस्तकें :–

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास – बलदेव उपाध्याय
2. नीतिशतलम् गोस्वामी, प्रहलाद गिरि, भारतीय प्रकाशन वाराणसी।
3. हितोपदेश – विश्वनाथ शर्मा
4. पंचतंत्र – श्यामचरण पाण्डेय
5. लघु सिद्धान्त कौमुदी – श्री धरानन्द शास्त्री
6. रचनानुवाद कौमुदी – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी

प्रश्न चयन संबंधी दिशा निर्देश :–

सभी प्रश्नों के उत्तर दें :–

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ या रिक्त स्थान पूर्ति संबंधित 15 प्रश्न पूछे जायेंगे। 1x15=15

द्वितीय प्रश्न में इकाई–1 के पाठयांश से एक श्लोक की हिन्दी व्याख्या और एक श्लोक की संस्कृत व्याख्या करनी होगी। कुल चार श्लोक पूछे जायेंगे। 2x10=20

तृतीय प्रश्न में समास के दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या करनी होगी जिसमें चार सूत्र पूछे जाएंगे। 10x2=20

चौथे प्रश्न में पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित एक आलोचनात्मक प्रश्न अपेक्षित होंगे। कुल तीन प्रश्न पूछे जायेंगे। 1x20=20

75

खण्ड–ख

आन्तरिक मूल्यांकन – 20 + 5 = 25 अंक

SEMESTER-IV

Major Course – MJ-6
काव्य शास्त्र एवं छन्दशास्त्र

Marks : 25(5 Attd+20SIE: 1 Hr) + 75 (ESE: 3 Hrs) = 100 Pass Marks th (SIE + ESE) = 40

C-04

साहित्य शास्त्र :

इकाई–1 : काव्य–प्रयोजन, काव्य हेतु शब्द शक्ति काव्य लक्षण, काव्य भेद, काव्य गुण, रीति (काव्य दीपिका के अनुसार)

इकाई–2 : अलंकार –अनुप्रास यमक, श्लेष, उपमा, उत्प्रेक्षा, दृष्टान्त रूपक, वक्रोक्ति, समासोक्ति, अर्थान्तरन्यास, विभावना विशेषोक्ति, स्वभावोक्ति, निदर्शना, (काव्य दीपिका के अनुसार)

इकाई–3 : छन्दः – आर्या, अनुष्टुप, इन्द्रवज्रा, द्रुतविलम्बित वसन्ततिलका, उपजाति, वंशस्थ, शार्दूलविक्रीडित, स्रग्न्धरा, मन्दाक्रान्ता, भुजडगप्रयात्।

अनुशंसित पुस्तकें –

1. काव्य दीपिका – परमेश्वरानन्द शर्मा, मोतीलाल बनारसी दास।
2. छन्दश्रुतबोध – श्री धरानन्द शास्त्री

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

सभी प्रश्नों के उत्तर दें :–

प्रथम प्रश्न में पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित 15 वस्तुनिष्ठ तथा (रिक्त पदों की पूर्ति संबंधी प्रश्न पूछे जायेंगे। 1x15=15

द्वितीय प्रश्न में इकाई–1 से एक प्रश्न करने होंगे, जिनमें दो प्रश्न पूछे जायेंगे। 1x20=20

तृतीय प्रश्न में चार अलंकार की सदोहारण व्याख्या करनी होगी कुल छः अलंकार पूछे जायेंगे 4x5 = 20

तृतीय प्रश्न में चार छन्दों की सदोहारण व्याख्या करनी होगी जिनमें 6 छन्द पूछे जायेंगे। 4x5 = 20

75

खण्ड–ख

आन्तरिक मूल्यांकन – 20 + 5 = 25 अंक

Major Course – MJ-7

वैदिक साहित्य का इतिहास एवं वैदिक सूक्त,

Marks : 25(5 Attd+20SIE : 1 Hr) + 75 (ESE: 3 Hrs) = 100 Pass Marks : th (SIE + ESE) = 40

C-04

वैदिक साहित्य एवं निबन्धादि

इकाई–1 वेदों का सामान्य परिचय, वेदों का काल
ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद का सामान्य परिचय
वेदांगों का परिचय।

इकाई–2 वैदिक सूक्त – ऋग्वेद – अग्नि (1.1) इन्द्र (2:12)
उषस् (3:61) हिरण्यगर्भ (10.121) सवितृ (1.35) वाक् (10:125)
शुक्ल यजुर्वेद – शिवसंकल्प (34.1–6)

अनुशंसित पुस्तकें

1. न्यू वैदिक सेलेक्शन, मोतीलाल बनारसी दास
2. वैदिक साहित्य का इतिहास – पारसनाथ द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
3. ऋग्वेद – गोपाल प्रसाद
4. निबन्ध शतकम् – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन
5. अनुवाद चन्द्रिका – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
6. निबन्ध कुसमांजलि – जयन्त मिश्र
7. वैदिक सूक्त संग्रह – अयोध्या प्रसाद सिंह

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

सभी प्रश्नों के उत्तर दें :–

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ या रिक्त स्थान पूर्ति संबंधी 15 प्रश्न पूछे जायेंगे। 1x15=15

द्वितीय प्रश्न में इकाई–1 से दो टिप्पणी अपेक्षित होगी कुल चार टिप्पणी दिये जायेंगे। 2x10=20

तृतीय प्रश्न में इकाई – 2 से एक मन्त्र की संस्कृत व्याख्या और एक मन्त्र का हिन्दी अनुवाद करना अपेक्षित होगा। संस्कृत व्याख्या के दो मन्त्र और हिन्दी अनुवाद के लिए कुल 2+2=4 मन्त्र पूछे जाएंगे। 2x10 = 20

चतुर्थ प्रश्न में पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित तीन आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे जिनसे एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 1x20=20

75

खण्ड–ख

आन्तरिक मूल्यांकन – 20 + 5 = 25 अंक

Major Course – MJ-8

भारतीय नास्तिक दर्शन का सामान्य परिचय

Marks : 25(5 Attd+20SIE : 1 Hr) + 75 (ESE: 3 Hrs) = 100 Pass Marks : th (SIE + ESE) = 40

C-04

नास्तिक दर्शन (तत्वमीमांसा – ज्ञानमीमांसा एवं प्रमाण मीमांसा)

चार्वाक दर्शन

जैन दर्शन

बौद्ध दर्शन

अनुशंसित पुस्तकें :–

1. भारतीय दर्शन – बलदेव उपाध्याय
2. भारतीय दर्शन – एम0 हिरियन्ना
3. भारतीय दर्शन – उमेश मिश्र
4. भारतीय दर्शन – जगदीश चन्द्र मिश्र

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

सभी प्रश्नों के उत्तर दें :–

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ या रिक्त स्थानों की पूर्ति संबंधित 15 प्रश्न पूछे जायेंगे। 1x15 = 15

द्वितीय प्रश्न में चार्वाक दर्शन से संबद्ध दो लघुउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे कुल चार प्रश्न पूछे जायेंगे। 2x10=20

तृतीय प्रश्न में जैन दर्शन से संबद्ध दो प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे जिनमें 4 प्रश्न पूछे जायेंगे। 2x10=20

चौथे प्रश्न में बौद्ध दर्शन से संबंधित दो प्रश्न करना अनिवार्य होगा कुल 4 प्रश्न पूछे जायेंगे। 2x10 = 20

75

खण्ड–ख

आन्तरिक मूल्यांकन – 20 + 5 = 25 अंक

SEMESTER-I

Courses of study for FYUGP in 'Sanskrit' MINOR
Minor Course – 1 A

1. Minor Course – MNIA
   नीति साहित्य

Marks : 25(5 Attd + 20 SIE : 1 Hr) + 75 (ESE : 3 Hrs) = 100 Pass Marks : th (SIE + ESE) = 40

C = 04

इकाई–1 हितोपदेश (मित्र लाभ)
इकाई–2 पंचतन्त्र (अपरीक्षित कारक)
इकाई–3 नीति साहित्य का उदभव एवं विकास

अनुशंसित पुस्तकें :–
1. हितोपदेश विश्वनाथ शर्मा
2. पंचतंत्र श्यामचरण पाण्डेय
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास – वाचस्पति गैरोला

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

सभी प्रश्नों के उत्तर दें :–

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। 1x15=15

द्वितीय खंड में इकाई–1 से किन्हीं दो श्लोकों का हिन्दी अनुवाद पूछा जाएगा। कुल 4 श्लोक देय होंगे। 2x10=20

तृतीय खंड में इकाई–2 से किन्हीं 2 श्लोकों का हिन्दी अनुवाद पूछा जाएगा। कुल 4 श्लोक देय होंगे। 2x10=20

चतुर्थ खंड में किन्हीं एक समालोचनात्मक प्रश्न का उत्तर देय होगा, कुल तीन प्रश्न पूछे जायेंगे। 1x20 = 20

SEMESTER-III

Minor Course – IB
Minor Course – MNI B

संस्कृत साहित्य का इतिहास

Marks :- 25 (5 Attd + 20 SIE : 1 Hr) + 75 (ESE : 3 Hrs) = 100 Pass Marks : th (SIE + ESE) = 40

C-04

इकाई–1 :– वैदिक साहित्य का सामान्य परिचय :–

- वेदों का सामान्य परिचय, वेदों का काल, ब्राह्मण, आरण्यक एवं उपनिषदों का सामान्य परिचय।
- वेदांगों का सामान्य परिचय

इकाई–2 आर्ष महाकाव्यों का सामान्य परिचय :–

- रामायण – सामान्य परिचय, काल निर्धारण, महत्व, उपजीव्यता रामायण कालीन समाज और संस्कृति।
- महाभारत – सामान्य परिचय, काल निर्धारण, महत्व, उपजीव्यता महाभारत का विकास क्रम एवं महाभारत का पौर्वापर्य।

इकाई–3 पुराण :–

- पुराणों का परिचय, परिभाषा, लक्षण, महापुराण, उपपुराण पौराणिक सृष्टि विज्ञान
- कतिपय पुराणों का सामान्य परिचय – श्रीमद्भागवत, अग्नि, विष्णु गरूड़ एवं मत्स्य।

अनुशंसित पुस्तकें :–

1. वैदिक साहित्य का इतिहास – पारसनाथ द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय।
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास – वायस्पति गैरोला।

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

1. प्रथम प्रश्न में उपर्युक्त सम्पूर्ण पाठ्यांश से कुल 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। 1x15=15
2. इकाई–1 से किन्हीं एक प्रश्न का आलोचनात्मक उत्तर प्रष्टव्य होगा। कुल दो प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 1x20=20
3. इकाई–2 से किन्हीं एक प्रश्न का समीक्षात्मक उत्तर अपेक्षित होगा। कुल दो प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 1x20=20
4. इकाई–3 से किन्हीं एक प्रश्न का समीक्षात्मक उत्तर अपेक्षित होगा। कुल दो प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 1x20=20

खण्ड–ख

आन्तरिक मूल्यांकन – 20 + 5 = 25 अंक

SEMESTER-III

AEC-I

आयर्वेद, पर्यावरण एवं योग

Marks : 75(ESE : 3 Hrs) = 75 Pass Marks : th (ESE) = 30 – (Credits : th = 03)

इकाई–1 – आयुर्वेद :–

- आयुर्वेद का अर्थ, परिभाषा एवं मूलभूत सिद्धान्तों का सामान्य परिचय।
- दिनचर्या, ऋतुचर्या, सद्वृत्त का मानव स्वास्थ्य – संरक्षण में महत्व।
- स्वास्थ्य संवर्द्धन हेतु औषधियों के निर्माण संबंधित ज्ञान एवं आयुर्वेद में शल्य–कर्म संबंधित ज्ञान।

इकाई–2 – योग :–

- योग का सामान्य परिचय, अर्थ, परिभाषा, योग के प्रकार, योग की उपयोगिता।
- योग के विभिन्न आसनों का परिचय, महत्व एवं सावधानियाँ।
- प्राणायाम की परिभाषा, अष्टांग योग के अन्तर्गत यम–नियम का स्वरूप, आसन एवं प्राणायाम की अवधारणा।

इकाई–3 – पर्यावरण :–

- पर्यावरण की परिभाषा, पर्यावरण की व्यापकता

पंचमहाभूतों का परिचय, पर्यावरण प्रदूषण, संस्कृत वाङमय में निर्दिष्ट पर्यावरण संरक्षण के सामान्य एवं विशिष्ट उपाय, जैव संरक्षण, जल प्रबंधन, रामायण एवं कालिदास के साहित्य में वनस्पतियाँ।

अनुशंसित पुस्तकें :–

1. आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास, आचार्य प्रियव्रत शर्मा, चौखम्बा, वाराणसी
2. आयुर्वेद इतिहास एवं परिचय – विद्याधर शुक्ल एवं रविदत्त शास्त्री चौखम्बा, वाराणसी
3. संस्कृत साहित्य में आयुर्वेद – अत्रिदेव विद्यालंकार, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी प्रथम संस्करण 1956
4. पातंजल योगदर्शनम्, सुरेन्द्र चन्द्र श्रीवास्तव चौ0 सुरभारती प्रकाशन वाराणसी
5. प्राकृतिक आयुर्विज्ञान, राकेश जिन्दल आरोग्य सेवा प्रकाशन वाराणसी
6. योग एवं स्वास्थ्य पी0डी0 मिश्र रैपिडेक्स बुक्स पुस्तक महल
7. अष्टांगहृदयम – ब्रह्मानन्द त्रिवेदी
8. संस्कृत साहित्य में पर्यावरण चेतना – डॉ0 धनंजय वासुदेव द्विवेदी, श्री कृष्ण साहित्य सदन, दिल्ली।
9. आयुर्वेदशास्त्र ज्योतिष शास्त्र और योग शास्त्र का अन्त सम्बन्ध – डॉ0 श्री प्रकाश सिंह, इस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।

प्रश्न चयन निर्देश :–

1. उपर्युक्त सम्पूर्ण पाठ्यांश से कुल 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 1x15=15

2. इकाई – 1 से किन्हीं एक आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित होगा। कुल दो आलोचनात्मक प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 1x20=20

3. इकाई–2 से किन्हीं एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर देय होगा, कुल दो प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 1x20=20

4. इकाई–3 से किन्हीं एक समालोचनात्मक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित होगा। कुल दो प्रश्न प्रष्टव्य होंगे।

1x20=20